जनपद हापुड़ की गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका में भ्रष्टाचार का मामला

सफाई एवं खाद्य निरीक्षक ने की अनिमियताओं और भ्रष्टाचार, मेरठ मंडल आयुत से की गई शिकायत

तेजयुग न्यूज

हापुड़ : वैसे तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर लगाम कसने की कवायत करते रहते हैं। मगर ऐसा क्या कारण है जो यह भ्रष्ट अधिकारी सुधारने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जनपद हापुड़ की गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका से सामने आया है। जहां पर गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा की गई अनिमियताओं और भ्रष्टाचार की शिकायत मेरठ मंडल आयुक्त से की गई है।

आपको बता दे कि प्रार्थी के द्वारा कहा गया है कि नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर में पंजीकृत सिविल ठेकेदार हैं प्रार्थी द्वारा वर्ष 2019 में पालिका क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों एवं मोहल्लों सड़कों के किनारे 192 नग जुड़वा डस्टबिन, आईसीसी द्वारा फिक्सिंग करने का कार्य स्वीकृत धनराशि 262349 रुपए में कराया गया जिसका कार्य आदेश प्रार्थी को पालिका के पत्रक 1848 दिनांक 21/2/ 2019 को दिया गया था। छाया प्रति संलग्न कार्य पूर्ण होने के

उपरांत बिल के सत्यापन आदि के समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद प्रार्थी द्वारा सफाई खाद्य निरीक्षक सुभाष सिंह से भुगतान करने का अनुरोध किया गया। भुगतान करने हेतु उक्त कर्मचारी द्वारा प्रार्थी से 40 पर्सेंट कमीशन की मांग की गई। जिसे प्रार्थी ने देने से इनकार कर दिया इससे छुब्द होकर उक्त कर्मचारी द्वारा प्रार्थी के उक्त कार्य की पत्रावली गायब कर दी गई।

प्रार्थी द्वारा शिकायत करने पर पालिका स्तर से उक्त कर्मचारी को कई नोटिस भी दिए गए इसके बाद भी उक्त कर्मचारी के विरुद्ध आज तक कोई ठोस कार्रवाई पालिका अधिकारियों व उच्च अधिकारियों द्वारा नहीं की गई है। और न ही प्रार्थी का उक्त कार्य का भुगतान किया जा रहा है। वहीं आपको बता दें कि उक्त कर्मचारी द्वारा प्रार्थी के सभी भुगतान करने का आश्वासन देकर वर्ष 2019 में नगर पालिका द्वारा संचालित कान्हा गौशाला में रहने वाले गोवंशों के लिए प्रार्थी से 2 लाख रुपए का भूसा की आपूर्ति कराई गई। तथा गोवंशों को भूसा नहीं मिल रहा है, आप 2लाख का भूसा आपूर्ति कर दो मैं इसकी फाइल बनवाकर सभी भुगतान कर दूंगा। किंतु उक्त कर्मचारी द्वारा आज तक ना तो उक्त आपूर्ति का पैसा दिया गया है और नहीं इसका भुगतान कराया गया है प्रार्थी उक्त कर्मचारी के कृतियों में भुगतान न होने से बहुत परेशान है उक्त कर्मचारी का भ्रष्टाचार चरम पर है ऐसी वर्ग के सजातीय व्यक्तियों को संरक्षण प्रदान करना व सामान्य वर्ग के व्यक्तियों को द्वेष भावना से परेशान करना उक्त कर्मचारी की आदत में शुमार है।

साथ ही आपको बता दें कि नगर पालिका गढ़मुक्तेश्वर में सुभाष सिंह अगस्त 2018 से लगभग साढे चार साल से तैनात हैं। मात्र 16 /17 किलोमीटर दूर भी पर स्थित अपने गांव मोहम्मदपुर आजमपुर जिला हापुर से ड्यूटी करते हैं। और शाम होते ही घर चले जाते हैं स्थानीय होने के कारण लोकल राजनीति में भी सक्रिय हैं उक्त कर्मचारी की प्रथम तैनाती वर्ष 2010 में जनपद हापुड़ में के नगर पालिका परिषद पिलखुवा में हुई थी वह भी उनके उपरोक्त निवास स्थान से मात्र विश्वास किलोमीटर ही दूरी पर है इसके बाद वर्ष 2018 में इनका ट्रांसफर नगर पालिका परिषद बदायूं को हुआ जिसको उक्त कर्मचारी द्वारा अपने प्रभाव से निरस्त कराकर नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर के लिए ट्रांसफर कर लिया गया

➤➤ महोदय यहां यह संज्ञान में लेना आवश्यक है कि उक्त कर्मचारी जो कि पालिका केंद्रीय सेवा का कर्मचारी है और नियम के तहत अपने जनपद में पोस्टिंग नहीं पा सकता है वह अपनी सेवा के प्रथम 13 वर्षों से अपने गृह जनपद में ही तैनात है और वह भी तब जबकि नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर में सफाई खाद्य निरीक्षक पर पद सृजित नहीं है इतना ही नहीं महोदय इस नगर पालिका में वह कर्मचारी तैनात है तब से उनके द्वारा कान्हा गौशाला मर्फ सेंटर स्वच्छ भारत मिशन एनएच9 पर पड़े कूड़े का निस्तारण ब्रजघाट पर गंगा नदी में ताल की सफाई हेतु संचालित मिशनके कार्य बिलों का अनाधिकृत रूप से सत्यापन कार्य एवं जैन के माध्यम से किया सफाई उपकरण सामान्य वाहन आदि में उक्त कर्मचारी द्वारा अनियमिताएं की गई हैं। जिसमें बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी जांच निदेशालय अथवा मंडल की तक से कराया जाना अति आवश्यक है।

➤➤ प्रार्थी के लिखित उच्च शिकायत बिंदुओं की जांच कराकर सफाई खाद्य निरीक्षक सुभाष सिंह के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करते हुए जनपद के बाहर पूर्वांचल के किसी नगर पालिका में ट्रांसफर करने की प्रार्थी ने गुहार लगाई है प्रार्थी सुनील कुमार त्यागी पुत्र रामनिवास निवासी ग्राम झडीना तहसील गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ का रहने वाला है। सुनील त्यागी का कहना हैं कि अभी कोई कार्यवाही नहीं की गई हैं।

इस विषय में अधिशासी अधिकारी गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ मुक्ता सिंह से बात करनी चाहिए तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

गुंजन अपने पति प्रभु कृष्ण की प्रतिमा के साथ

हंसराज कॉलौनी की रहने वाली साध्वी गुंजन ने रचाया भगवान श्रीकृष्ण संग विवाह, लिये सात फेरे

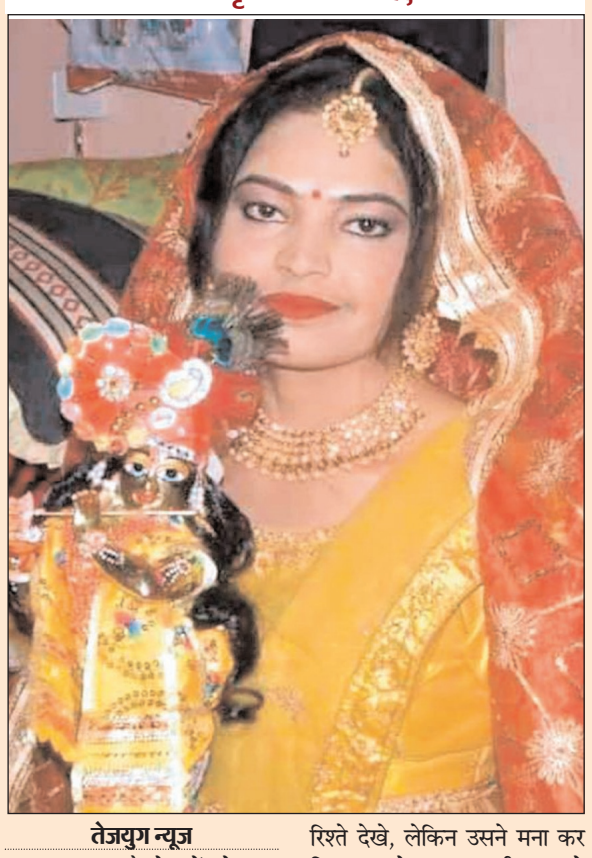

तेजयुग न्यूज

मथुरा। कान्हा के प्रेम में जो पड़ा, उन्हीं का होकर रह गया। ब्रज में रहने वाली एक बेटी ने शनिवार को कान्हा से ब्याह रचाया। परिचित, स्वजन और रिश्तेदार, इस अनोखे विवाह के साक्षी बने। बारात आई, द्वारचार हुआ और फिर युवती और कान्हा ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। करीब 250 बरातियों और जनातियों के भोजन का प्रबंध भी किया गया।

शहर के गोवर्धन रोड स्थित हंसराज कालोनी की रहने वाली साध्वी गुंजन भारद्वाज भगवान श्रीकृष्ण भक्ति में लीन हैं। 24 वर्षीय गुंजन ने बीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई के बाद आगे की बढ़ाई छोड़ दी। बचपन से ही उन्हें कान्हा से लगाव था, हर वक्त कान्हा की भक्ति में लीन रहने लगीं। पढ़ाई छोड़ने के बाद कान्हा की भक्ति में ही पूरा दिन रमने लगा। पिता चतुर्भुज आचार्य कथावाचक हैं। वह कहते हैं कि उनकी दो बेटी और दो बेटे हैं। गुंजन सबसे छोटी है। उन्होंने बेटी की शादी के लिए कई रिश्ते देखे, लेकिन उसने मना कर दिया। उसने भगवान श्रीकृष्ण से शादी की इच्छा जताई। कहा कि अगर कान्हा से शादी नहीं हुई, तो वह कहीं शादी नहीं करेगी। बेटी की इच्छा का सम्मान करते हुए उन्होंने शनिवार को विवाह का दिन तय किया। घर में कान्हा का विग्रह था।

बकायदा कान्हा के गोवर्धन चौराहा से लाया गया और वह बरात लेकर हंसराज कालोनी पहुंचे। ब्यूटी पार्लर से दुल्हन की तरह गुंजन सजीं। मुहल्ले के लोग भात लेकर भी आए। बकायदा बरात घर पहुंचने पर द्वारचार हुआ। वैदिक मंत्र गूंजे तो बराती और जनाती श्रद्धा में डूब गए। विधि-विधान से दोनों का विवाह हुआ। दोनों के फेरे हुए और वरमाला पहनाई गई। पिता ने बताया कि उन्होंने पांचांग देखकर आज का दिन तय किया था। गुंजने के दो भाई कृष्ण मुरारी और गिरवर कथा वाचक हैं। बड़ी बहन नीलम की शादी 20 वर्ष पूर्व बरारी गांव में हुई थी। गुंजन और कान्हा के विवाह में करीब ढाई सौ लोग मेहमान बने।

तहसीलदार की कार्यशैली से नाराज अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में हंगामा काटा

आलोक गुप्ता

उतरौला (बलरामपुर) : तहसीलदार उतरौला के तानाशाही स्वभाव से तंग आकर अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में जमकर हंगामा किया और उनके विरोध में नारे लगाए। वकीलों ने समिति गठित करके एसडीएम उतरौला से वार्ता करने का निर्णय लिया है। मामला यह है कि तहसीलदार उतरौला शैलेश चन्द्र ने अपने न्यायालय पर मनमाने ढंग से मुकदमे की सुनवाई करना शुरू किया।

इस पर वकीलों ने तहसीलदार उतरौला के कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर की तथा उनके चैम्बर के सामने जमकर नारे बाजी की। वकीलों के आक्रोश को देखते हुए तहसीलदार उतरौला अपने आवास पर चले गए। अधिवक्ताओं ने मामले की सूचना एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार को दी। इधर वकीलों

की आपातकालीन बैठक अधिवक्ता संघ उतरौला अध्यक्ष प्रहलाद यादव की अध्यक्षता में की गई। इसमें तहसीलदार उतरौला के रवैए की निन्दा करते हुए एसडीएम उतरौला से वार्ता के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

समिति बुधवार को एसडीएम उतरौला से वार्ता करेगा और तहसीलदार के मनमानी रवैए की पूरी जानकारी देगी। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने बताया कि एसडीएम से वार्ता के बाद तहसीलदार के खिलाफ आन्दोलन की रणनीति तय की जाएगी।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मनरेगा मजदूरों को दिलाई गई शपथ

आलोक गुप्ता

उतरौला (बलरामपुर) : मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी संजीव मौर्य के नेतृत्व में विकास खंड उतरौला के ग्राम सभा पुरैनिया जाट में मनरेगा मजदूरों को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शत प्रतिशत मतदान करने के लिए शपथ दिलाया गया। इस दौरान गांवों में मतदाताओ को जागरूक करने के लिए प्रभातफेरी भी निकाली ग?ई। इस मौके पर परियोजना निदेशक नन्द प्रकाश श्रीवास्तव, उपायुक्त श्रम रोजगार सतीश कुमार पाण्डेय, खंड विकास अधिकारी उतरौला संजय कुमार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा गुलाम रसूल, सचिव मुकेश कुमार, प्रधान साजिदा, ग्राम विकास अधिकारी अमित कुमार मौर्य,अनिल पटेल, रोजगार सेवक प्रेम कुमार सहित ग्रामवासी भी मौजूद रहे।

नौरंगिया : शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

तेजयुग न्यूज

खड्डा, कुशीनगर : नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के नौरंगिया गांव के बलुआर टोला से मंगलवार को नवनिर्मित शिव मंदिर में शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सैकड़ो वाहनों और गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में हजारों युवक और युवतियां शामिल रहे। मंगलवार को शिव मंदिर से 108 कन्याओं ने माथे पर कलश लेकर डीजे के भक्तिमय धुनों पर जयघोष के साथ नौरंगिया में गांव भ्रमण कर नौरंगिया चौराहा, लक्ष्मीपुर, परसौनी और नेबुआ रायगंज से होते हुए पनियहवा नारायणी नदी तक गए जहां वाराणसी से आये आचार्यो के वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद जल भरकर मन्दिर परिसर में बने यज्ञ स्थल पर आकर सभी कलशों का स्थापना कर दिया गया।

गांव के किनारे नवनिर्मित शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर मन्दिर सहित पूरे परिसर को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। वहीं पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो उठा। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस भव्य कलश यात्रा मे राम आशीष, मनीष सिंह, दिगंबर, लालबाबू साहनी, जितेंद्र गोड, राकेश चौधरी, अवधेश कनौजिया, प्रमोद साहनी, छोटू गोड, दुर्गेश जायसवाल, विचंडी साहनी, आदित्य गोड, अमरनाथ कनौजिया आदि शामिल रहे।

कंपोजिट विद्यालय पचपेड़वा में नेत्र परीक्षण कर दिया गया चश्मा

पचपेड़वा (बलरामपुर) : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचपेड़वा के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय पचपेड़वा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य टीम द्वारा 11 बच्चों के आंखों की जांच कर उन्हें निशुल्क चश्मा वितरण किया गया साथ ही छात्राओं को पौष्टिक आहार के बारे में भी जानकारी दी गई।इस तरह का कार्यक्रम अलग अलग विद्यालयों में आगे निरंतर चलता रहेगा। इस अवसर पर चिकित्साधिकारी डॉक्टर गयासुद्दीन ख़ान,चिकित्साधिकारी डाक्टर मोहम्मद रईस, रवि कुमार, नेत्र परीक्षण अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रज की होलियों के क्रम में 21 मार्च को गोकुल की छड़ीमार होली मनाई जाएगी : सेवायत आचार्य

तेजयुग न्यूज

मथुरा : नन्दबाबा मन्दिर के सेवायत आचार्य के अनुसार ब्रज की होलियों के क्रम में 21 मार्च को गोकुल की छड़ीमार होली होगी तथा 24 मार्च को होलिका दहन के दिन मथुरा जिले की छाता तहसील के फालैन गांव में पंडा धधकती होली से निकलता है। 25 मार्च को जहां सुबह रंग की होली होगी वहीं शाम को भगत सिंह पार्क में होली मिलन समारोह होगा। 26 मार्च को बल्देव में दाऊ जी मन्दिर का मशहूर हुरंगा होगा। इसी दिन छाता तहसील के जाव गांव का हुरंगा तथा 27 मार्च को बठैन गांव का हुरंगा खेला जाएगा।

24 मार्च को ही मुखराई गांव में

चरकुला नृत्य होगा।इसके बाद अहमलकलां आदि गांवों में चरकुला नृत्य होगा। ब्रज की होली का समापन महाबन की छड़ी मार होली से होता है यह होली इस बार चैत्र कृष्ण पक्ष की षष्ठी को यानी 31 मार्च को होगी। यह होली चैरासी खंभा मन्दिर के प्रांगण में होती है। उत्तर को दक्षिण से जोड़नेवाले वृन्दावन के रंग जी मन्दिर में 1 अप्रैल को रंगनाथ भगवान की होली खेली जाएगी जो मन्दिर में आयोजित किये जानेवाले ब्रह्मोत्सव का प्रमुख अंग है। कुल मिलकार इसी के साथ ब्रज की मशहूर रंगारंग होली का समापन हो जाता है।

खड्डा : विधायक विवेकानंद पाण्डेय पीड़ित परिजनों से मिलकर हर संभव मदद का दिलाया दिलासा

तेजयुग न्यूज

खड्डा, कुशीनगर। हनुमानगंज थाना क्षेत्र के हनुमानगंज गांव के गंगवाछापर में मारपीट में घायल हुए युवक की मौत की सूचना पर विधायक विवेकानंद पाण्डेय ने पीड़ित परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित परिवार को न्याय एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने को निर्देशित किया।

हनुमानगंज गांव निवासी राजेश चौहान पुत्र इन्द्रजीत को दावत के बहाने गांव का ही तबारक अली 23 फरवरी की रात्रि में बुलाकर उसे कमरे में बंद कर सगे संबंधियों के साथ मिलकर लाठी डंडों से प्राणघातक हमला कर मरणासन्न कर दिया था, जिसकी इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में मौत हो गई थी। रविवार की देर रात शव घर पहुंचा तो हनुमानगंज पुलिस शव का दाह संस्कार करने का दबाव बनाने लगी जिससे आक्रोश बढ़ गया और सोमवार को आक्रोशित परिजनों के काफी मान मनौव्वल के बाद शव का अंतिम संस्कार हो सका था। मंगलवार को विधायक विवेकानंद पाण्डेय जब पीड़ित परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे तो परिजनों ने हनुमानगंज पुलिस पर तमाम आरोप लगाते हुए थानेदार की गतिविधियों को संदिग्ध बताया। विधायक ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर दोषी बख्शे नहीं जाएंगे और इस मामले में लापरवाह थानेदार पर भी कार्रवाई होगी।

शांति सुरक्षा में जुटी पुलिस

गंगवाछापर गांव में तनाव को देखते हुए खड्डा व हनुमानगंज पुलिस लगातार चौथे दिन मंगलवार को भी कैंप कर शांति और सुरक्षा में जुटी हुई है, फिलहाल गांव में शांति- व्यवस्था कायम है। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश तिवारी, ग्राम प्रधान आनंद चौहान, पूर्व प्रधान नागेन्द्र चौधरी, आनंद सिंह, प्रदीप शर्मा, विकास तिवारी आदि मौजूद रहे।

देवाधिदेव की भक्ति से मिलती है अपार शक्ति : पूज्य सुधांशु जी महाराज

महाशिवरात्रि के दिन बाबा को बम बम कर आपने जागृत कर दिया तो यकीन मानिए, जीवन धन्य हो जाएगा

मारकंडेय मिश्र

नई दिल्ली : धर्म आध्यात्म के प्रति जागरूकता यह महसूस कराती है कि हमारी सोच जीवंत है। कुछ इसी तरह की बातें देवाधिदेव महादेव को अनुभूति करने से महसूस होती है। भगवान भोले की भक्ति जीवन में अपार शक्ति का संचार करती है। खास बात यह है कि यदि महाशिवरात्रि के दिन बाबा को बम बम कर आपने जागृत कर दिया तो यकीन मानिए, जीवन धन्य हो जाएगा। बाबा को मनाइए, जगाइए, योग कीजिए और तप कीजिए। ऐसे में आपको महाशिवरात्रि का महत्त्व महसूस होने लगेगा।

यहां की संस्कृति पर्व त्योहार की अमिट पहचान है। इनमें महाशिवरात्रि की चर्चा बड़ी प्रमुखता से होती है। इनमें महाशिवरात्रि की चर्चा बड़ी प्रमुखता के साथ की जाती है। महाशिवरात्रि के ही दिन भगवान शिव ने अपना वैराग्य छोड़कर माता पार्वती संग विवाह कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया था। इस कारण भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की खुशी में महाशिवरात्रि पर्व प्रत्येक वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है।

शिवपुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि वह महारात्रि है जिसका शिव तत्व से घनिष्ठ रिश्ता है। यह भगवान शिव के दिव्य अवतरण का मंगल सूचक पर्व है। शिव के निराकार से साकार रूप में अवतरण की रात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है। स्वाभाविक है कि यह क्रोध, लोभ और मोह आदि दोषों से मुक्त कर जीवन में परम सुख प्रदान करते हैं। स्कंदपुराण में उल्लेख है कि महाशिवरात्रि के दिन ही सभी ज्योतिर्लिंग प्रकट हुए थे। सभी बारह ज्योतिर्लिंग के प्राकट्य होने के कारण महाशिवरात्रि का पर्व और भी खास हो जाता है। महाशिवरात्रि भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय है। इस त्योहार का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि यह भगवान शिव और माता पार्वती की मिलन की रात है, इसलिए इसे प्रकृति और पुरुष के मिलन की रात भी कहा जाता है। शिवपुराण कहता है 'वह वो रात थी और उस ज्योतिर्लिंग के प्रारम्भ और अंत का कोई पता नहीं लगा सका'। यहां तक कि स्वयं ब्रह्मा जी तथा भगवान विष्णु भी पता नहीं लगा पाए। शिव का यही स्वरूप महाशिव कहलाया

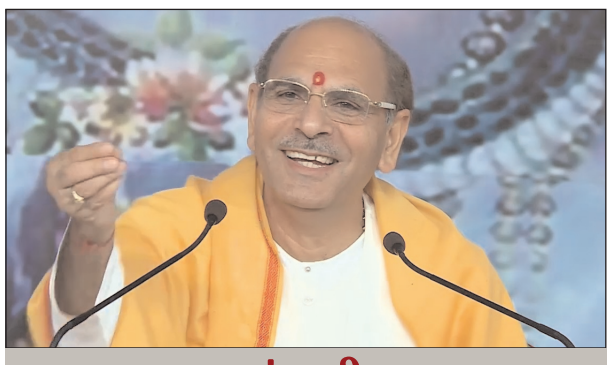

पूज्य सुधांशु जी महाराज
संस्थापक, विश्व जागृति मिशन

और वो रात महाशिवरात्रि थी । इस त्योहार के साथ कुछ अन्य कथाएं भी हैं। कहा जाता है कि एक तरफ सती के शोक में भगवान शिव गहन समाधि में चले गए, ध्यानमग्न हो गये। उनका ध्यान कोई तोड़ नहीं पाया। ब्रह्मा जी एवं भगवान विष्णु भी सारे उपाय करके थक गए। इस कारण सृष्टि का संचालन बाधित होने लगा। देवताओं को समझ नहीं आ रहा था कि भगवान शिव का ध्यान भंग करने के लिए क्या किया जाए?

शिवपुराण के अनुसार दूसरी तरफ हिमालय की बेटी के रूप में सती का पुनर्जन्म होता है। जिनका नाम रखा गया पार्वती। कहते हैं कि भगवान शिव को पाने के लिए देवी पार्वती घोर तपस्या करने लगी। पहले तो भगवान शिव ने देवी पार्वती को तपस्या करने से रोका, लेकिन देव शक्तियों के सहारे देवी पार्वती ने भगवान शिव का मन जीत लिया। फिर भगवान शिव-पार्वती एक दूसरे के साथ परिणय सूत्र में बंध गए। बताते हैं कि उस दिन भी फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि थी, इस कारण भी यह त्योहार खास हो गया। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव के जैसा वर पाने के लिए अविवाहित कन्याएं उनकी पूजा करती हैं। संसार की मंगल कामना के लिए कन्याएं, विवाहित स्त्रियां, विधवाएं आदि सभी स्त्रियां महाशिवरात्रि का व्रत रखकर पूजा करती है। बताया जाता है कि ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

बताते हैं कि सोमवार का दिन भगवान शिव की पूजा के लिए उपयुक्त माना गया है। प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि शिवरात्रि होती है, लेकिन फाल्गुन माह की वही तिथि महाशिवरात्रि के लिए खास हो जाती है। मान्यता है कि जब भगवान शिव ने तांडव किया था, वह भी फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि ही थी। भगवान भोलेनाथ की महिमा अपरम्पार है। भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने का ही पर्व है, 'महाशिवरात्रि'। आज के दिन देश भर के सभी ज्योतिर्लिंगों और शिवालयों में शिव भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। शिव भक्त विशेष रूप से व्रत रखते हैं, साथ ही शिवालयों में बेलपत्र, धातूरा, दूध, दही और शर्करा आदि भगवान शिव को अर्पित कर भगवान शिव के शिवलिंग रूप का दर्शन करते हैं। आज के दिन शिवभक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए महामृत्युंजय (त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्, ऊर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात) मंत्र का जाप करते है, जिसका विशेष महत्व है।